

भाषा संगम Bhasha Sangam

Odia

Volume 15

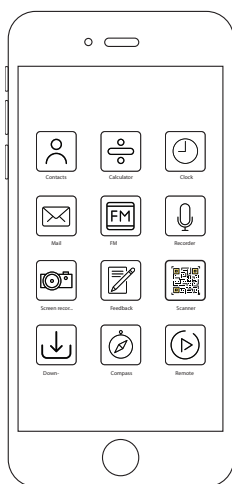


एक भारत श्रेष्ठ भारत

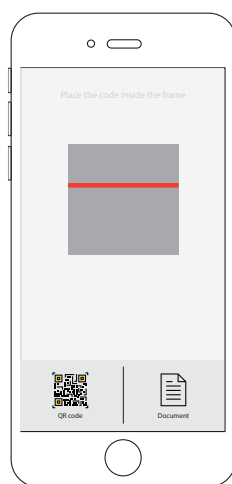
STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.



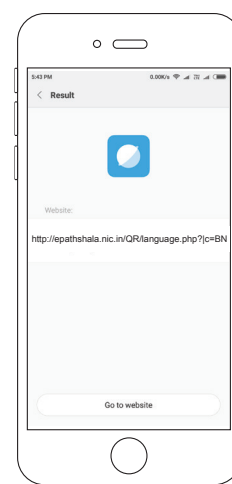
Install QR Code Scanner app from Play Store and open



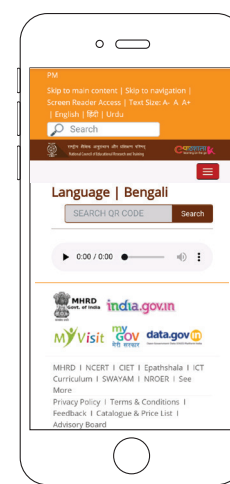
Get ready with QR code scanning window



Place scanner above the QR code




Select and click on the link



Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc. 
2. Go to the ePathshala website (<http://epathshala.gov.in>) and click on **Ek Bharat Shreshtha Bharat** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम *Bhasha Sangam*



Odia

Volume 15

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
धर्मेश्वर प्रधान
Dharmendra Pradhan



मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पृष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र
(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister.msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam*.

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।



Sridhar Srivastava

Director

National Council of Educational Research and Training

New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत भाषा संगम



आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की खूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत ‘भाषा संगम’ कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। ‘भाषा संगम’ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरुआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को जरूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद जरूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में जरूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के जरिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी है कि स्कूल में सभी अपनी जिम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की जिम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी— कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाजों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मजा लें। इस मजे में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की जरूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओं में सामग्री मिल सकती है:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
- सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
- नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस खयाल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओं के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

● हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओं के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में है। दूसरा, रोजमर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर जोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat Bhaashaa Sangam



We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bharat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiarise students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster linguistic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of Bhaashaa Sangam

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam*, students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii.** In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourage them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
 - National Council of Educational Research and Training
 - State Council of Educational Research and Training
 - District Institutes for Education and Training
 - Centre for Cultural Resources and Training
 - Children Film Society
 - National Book Trust
 - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

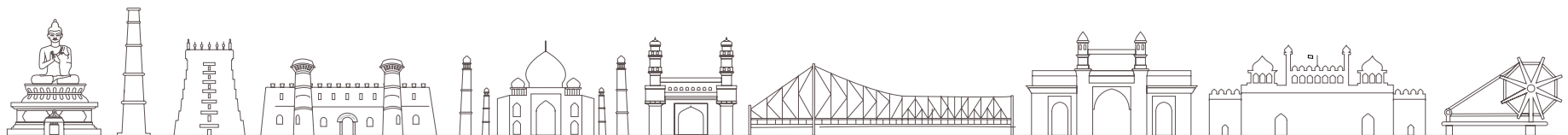
- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ପ୍ରଥମ ଦିବସ ପରିଚୟ	प्रथम दिन परिचय	पहला दिन जान-पहचान	prathama dibasa parichaya	First day Introduction/ Familiarisation
ତୁମର ନାମ କ'ଣ?	तुमर नाम क'ण?	तुम्हारा नाम क्या है?	tumara naama ka'na?	What is your name?
ମୋର ନାମ ସ୍ମିତା।	मोर नाम स्मिता।	मेरा नाम स्मिता है।	mora naama Smita.	My name is Smita.
ତୁମେ କେଉଁ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଛ?	तुमे केउँ श्रेणीरे पढुछ?	तुम किस कक्षा में पढ़ती/ पढ़ते हो?	tume keun shreneere padhucha?	Which class do you study in?
ମୁଁ ଏକାଦଶ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଛି।	मुँ एकादश श्रेणीरे पढुछि।	मैं कक्षा ग्यारह में पढ़ती/ पढ़ता हूँ।	mun ekaadasha shreneere padhuchi.	I study in Class XI.
ତୁମ ମାତା ପିତାଙ୍କ ନାମ କ'ଣ?	तुम माता पितांक नाम क'ण?	तुम्हारे माँ-पिता का क्या नाम है?	tuma maataa pitaanka naama ka'na?	What are the names of your parents?
ମୋର ମାତାଙ୍କ ନାମ ସୁନୀତା ଏବଂ ପିତାଙ୍କ ନାମ ସୁରେଶ।	मोर मातांक नाम सुनीता एवं पितांक नाम सुरेश।	मेरी माँ का नाम सुनीता और पिता का नाम सुरेश है।	mora mataanka naama Sunita ebam pitaanka naama Suresh.	My mother's name is Sunita and my father's name is Suresh.



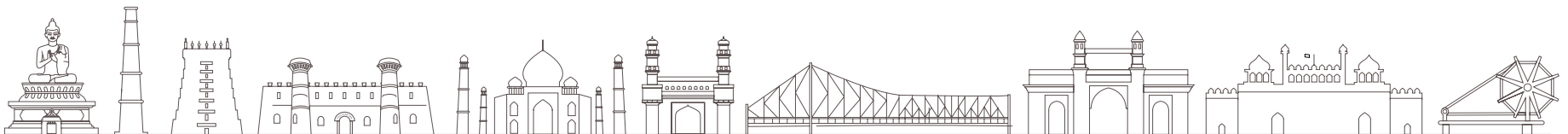
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ତୁମେ କେଉଁଠି ରହୁଛ?	तुमे केउँठि रहुछ?	तुम कहाँ रहती/रहते हो?	tume keunthi rahucha?	Where do you live?
ମୁଁ ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ରହୁଛି।	मुँ भुबनेश्वररे रहुछि।	मैं भुबनेश्वर में रहती/रहता हूँ।	mun Bhubaneswar re rahuchi.	I live in Bhubaneswar.
ଦ୍ୱିତୀୟ ଏବଂ ତୃତୀୟ ଦିବସ ମୋର ବିଦ୍ୟାଳୟ	द्वितीय एवं तृतीय दिवस मोर बिद्यालय	दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय	dviteeya ebam truteeya dibasa mora bidyaalaya	Second & third day My School
ତୁମ ବିଦ୍ୟାଳୟର ନାମ କ'ଣ?	तुम बिद्यालयर नाम क'ण?	तुम्हारे विद्यालय का नाम क्या है?	tuma bidyaalayara naama ka'na?	What is the name of your school?
ମୋର ବିଦ୍ୟାଳୟର ନାମ ପ୍ରାୟୋଗିକ ବହୁମୁଖୀ ବିଦ୍ୟାଳୟ।	मोर बिद्यालयर नाम प्रायोगिक बहुमुखी बिद्यालय अटे।	मेरे विद्यालय का नाम प्रायोगिक बहुमुखी विद्यालय है।	mora bidyaalayara naama Praayogika bahumukhee vidyaalaya ate.	The name of my school is Demonstration Multipurpose School.
ତୁମର ଶ୍ରେଣୀ ଶିକ୍ଷକ କେଉଁ ବିଷୟ ପଢ଼ାନ୍ତି?	तुमर श्रेणी शिक्षक केउँ बिषय पढान्ति?	तुम्हारे कक्षा अध्यापक कौन- सा विषय पढ़ाते हैं?	tumara shrenee shikhyaka keun bishaya padhaanti?	What subject does your class teacher teach?



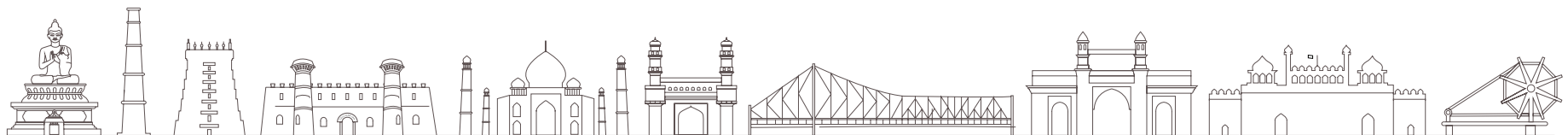
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ମୋର ଶ୍ରେଣୀ ଶିକ୍ଷକ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ପଢ଼ାନ୍ତି।	मोर श्रेणी शिक्षक ओडिआ भाषा पढ़ांति।	मेरे कक्षा अध्यापक ओडिआ भाषा पढ़ाते हैं।	mora shrenee shikhyaka Odia bhaashaa padhaanti.	Our class teacher teaches Odia language.
ତୁମର କେଉଁ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ରୁଚି ଅଛି?	तुमर केउं बिषयरे अधिक रुचि अछि?	तुम्हारी किस विषय में अधिक रुचि है?	tumara keun bishayare adhika ruchhi achi?	Which subject interests you the most?
ମୋତେ ଭାଷା ପଢ଼ିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ।	मोते भाषा पढ़िबाकु भल लागे।	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	mote bhaashaa padhibaaku bhala laage.	I like learning languages.
ତୁମକୁ ଭାଷା ପଢ଼ିବାକୁ କାହିଁକି ଭଲ ଲାଗେ?	तुमकु भाषा पढ़िबाकु काहिकि भल लागे?	तुम्हें भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	tumaku bhaashaa padhibaaku kaahinki bhala laage?	Why do you like learning languages?
ଏଥିରେ କବିତା, କାହାଣୀ ଏବଂ ନାଟକ ଥାଏ।	एथिरे कबिता, काहाणी एवं नाटक थाए।	इसमें कविताएँ, कहानियाँ एवं नाटक होते हैं।	ethires kabitaa, kaahaanee ebam naataka thae.	They have poetries, stories and dramas.
ହଁ, ଆମ୍ଭେମାନେ ନାଟକର ଅଭିନୟ ମଧ୍ୟ କରିପାରିବା।	हँ, आम्भेमाने नाटकर अभिनय मध्य करिपारिबा।	हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	han, aambhemaane naatakara abhinaya madhya karipaaribaa.	Yes, we can also play dramas.



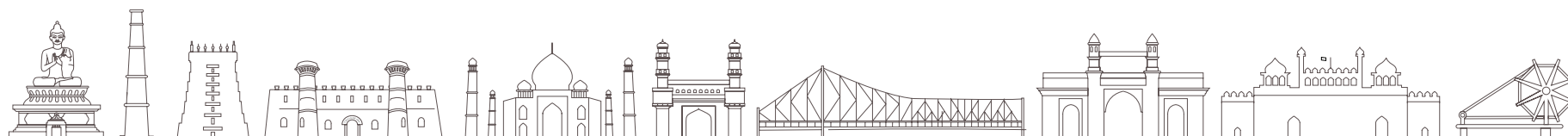
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ତୁମେ କେଉଁ କେଉଁ ଭାଷାରେ କଥାବାର୍ତ୍ତା କରିପାର?	तुमे केउं केउं भाषारे कथावार्ता करिपार?	तुम कौन-कौन सी भाषायें बोल सकती/सकते हो?	tume keun keun bhaashaare kathaabaartaa karipaara?	Which languages can you speak?
ମୁଁ ଓଡ଼ିଆ, ହିନ୍ଦୀ, ସଂସ୍କୃତ ଏବଂ ଇଂରାଜୀ କହିପାରେ।	मुँ ओडिआ, हिन्दी, संस्कृत एबम् इराजी कहिपारे।	मैं ओडिआ, हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी बोल सकती/ सकता हूँ।	mun Odia, Hindi, Sanskruta ebam English kahipaare.	I can speak Odia, Hindi, Sanskrit and English.
ଚତୁର୍ଥ ଦିବସ ମୋର ମାତା-ପିତା	चतुर्थ दिवस मोर माता-पिता	चौथा दिन मेरे माता-पिता	chaturtha dibasa mora maataa-pitaa	Fourth day My Parents
ତୁମ ଘରେ କିଏ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି?	तुम घरे किए रोषेइ करन्ति?	तुम्हारे घर में खाना कौन बनाती/बनाता है?	tuma ghare kie roshei karanti?	Who cooks food in your house?
ଆମ ଘରେ ମାତା ଏବଂ ପିତା ଉଭୟ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି।	आम घरे माता एवं पिता उभय रोषेइ करन्ति।	हमारे घर में माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	aama ghare maataa ebam pitaa ubhaya roshei karanti.	Both my mother and my father cook food in our house.



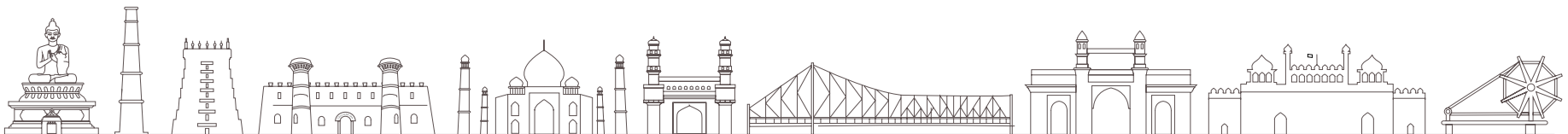
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ତୁମକୁ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ କିଏ ଛାଡ଼ନ୍ତି?	तुमकु बिद्यालयरे किए छाडन्ति?	तुम्हें स्कूल कौन पहुँचाती / पहुँचाता है?	tumaku bidyaalayare kie chaadanti?	Who drops you at school?
ମୋତେ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଛାଡ଼ିବା ପାଇଁ କେବେ କେବେ ମାଆ ଏବଂ କେବେ କେବେ ବାପା ଆସନ୍ତି।	मोते बिद्यालयरे छाडिबा पाईं केबे केबे माआ एवं केबे केबे बापा आसन्ति।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	mote bidyaalayare chhaadiba paaain kebe kebe maa ebam kebe kebe baapaa aasanti.	Sometimes my mother and sometimes my father drops me at school.
ଅଭିଭାବକ ଏବଂ ଶିକ୍ଷକ ସାକ୍ଷାତ ପାଇଁ କିଏ ଆସନ୍ତି?	अभिभावक एवं शिक्षक साक्षात पाईं किए आसन्ति?	अभिभावक-शिक्षक (पैरेंट- टीचर) मीटिंग में कौन आती/ आता है?	abhibhaabaka ebam shikhyaka saakhyaata pain kie aasanti?	Who comes to attend the parent-teacher meetings?
ପି. ଟି. ଏମ. ରେ କେତେବେଳେ ମାଆ ଏବଂ କେତେବେଳେ ବାପା ଆସନ୍ତି।	पी. टी. एम. रे केतेबेले माआ एवं केतेबेले बापा आसन्ति।	पी. टी. एम. में कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	PTM re ketebele maa ebam ketebele baapaa aasanti.	Sometimes my mother and sometimes my father comes to the PTM.



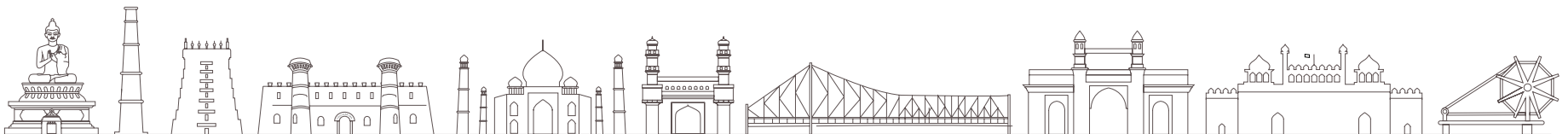
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ପଞ୍ଚମ ଦିବସ ଖାଦ୍ୟ-ପେୟ	पंचम दिवस खाद्य-पेय	पाचवाँ दिन खान-पान	panchama dibasa khaadya-peya	Fifth day Food
ତୁମକୁ ଖାଇବାକୁ କ'ଣ ଭଲ ଲାଗେ?	तुमकु खाइबाकु क'ण भल लागे?	तुम्हें खाने में क्या पसंद है?	tumaku khaaibaaku ka'na bhala laage?	What do you like to eat mostly?
ମୋଟେ ଭାତ, ଡାଲମା ଏବଂ ଆଳୁଭରତା ଖାଇବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ।	मोते भात, डालमा एवं आलुभरता खाइबाकु भल लागे।	मुझे खाने में भात, डालमा एवं आलुभरता पसंद है।	mote bhaata, daalamaa ebam alubharataa khaaibaaku bhala laage.	I like to eat bhaata, daalma and alubharata.
ତୁମ ଆଖ ପାଖରେ କେଉଁ ଫଳ ଅଧିକ ମିଳେ?	तुम आख पाखरे केउँ फळ अधिक मिळे?	तुम्हारे क्षेत्र में कौन सा फल ज्यादा मिलता है?	tuma aakha paakhare keun phala adhika mile?	Which fruit is plently available in your area?
ଆମ ଆଖ ପାଖରେ ଅମୃତ ଭଣ୍ଡା, ପିଞ୍ଜୁଳି ମିଳେ କିନ୍ତୁ ମୋଟେ କଦଳୀ ଖାଇବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ।	आम आख पाखरे अमृत भंडा, पिजुलि मिळे किन्तु मोते कदली खाइबाकु भल लागे।	हमारे यहाँ अमरूद, पपीता ज्यादा मिलता है। लेकिन मुझे केला पसंद है।	aama aakha paakhare amruta bhandaa, pijuli mile kintu mote kadalee khaaibaku bhala lage.	Guava and Papaya are plently available in my area, but I like Banana the most.



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ଷଷ୍ଠ ଦିବସ ସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟ	षष्ठ दिवस स्वास्थ्य	छठा दिन सेहत	shashtha dibasa svaasthya	Sixth day Health
ତୁମେ ସକାଳେ କେତେବେଳେ ଉଠ?	तुमे सकाळे केतेबेले उठ?	तुम सुबह कब जागती/जागते हो?	tume sakaale ketebele utha?	At what time do you wake up in the morning?
ମୁଁ ସକାଳେ ଛଅଟାରେ ଉଠେ।	मुँ सकाळे छअटारे उठे।	मैं सुबह छः बजे उठती/उठता हूँ।	mun sakaale cha'taare uthe.	I wake up at six O'clock in the morning.
କ'ଣ ତୁମେ ପ୍ରତିଦିନ କେବେ କେବେ କର?	क'ण तुमे प्रतिदिन ब्यायाम कर?	क्या तुम प्रतिदिन कसरत करती/करते हो?	ka'na tume pratidina byaayaama kara?	Do you do exercise everyday?
ହଁ! ମୁଁ ଯୋଗ କରେ।	हँ! मुँ जोग करो।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	han! mun joga kare.	Yes, I practice yoga.
ତୁମ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକ ଅଛନ୍ତି?	तुम बिद्यालयरे जोग शिक्षक अछन्ति।	तुम्हारे स्कूल में कोई योग शिक्षक हैं?	tuma bidyaalayare joga shikhyaka achanti?	Is there a yoga teacher in your school?



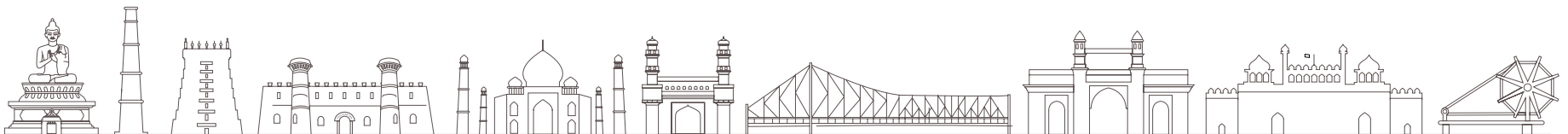
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ହଁ, ଆମ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଯୋଗ ଶିକ୍ଷକ ଅଛନ୍ତି।	हँ, आम बिद्यालयरे जोग शिक्षक अछन्ति।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	han, aama bidyaalayare joga shikhyaka achanti?	Yes, we have a yoga teacher in our school.
ସେ ଆମକୁ ଯୋଗ ଏବଂ ଅନ୍ୟ କେବେ କେବେ ଶିଖାନ୍ତି।	से आमकु जोग एवं अन्य ब्यायाम शिखान्ति।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/सिखाते हैं।	se amaku joga evam anya byaayaama shikhaanti.	She/he teaches us yoga and other excercises.
ସପ୍ତମ ଦିବସ ଖେଳ-କୁଦ	सप्तम दिवस खेळ-कुद	सातवाँ दिन खेल-कूद	saptama dibasa khela-kuda	Seventh day Games and Sports
ତୁମକୁ ଖେଳିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ?	तुमकु खेलिबाकु भल लागे?	तुम्हें खेलना पसंद है?	tumaku khelibaaku bhala laage?	Do you like to play?
ହଁ, ମୋତେ ଫୁଟବଲ ଖେଳିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ।	हँ, मोते फुटबल खेलिबाकु भल लागे।	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	han, mote football khelibaaku bhala laage.	Yes, I like to play football.



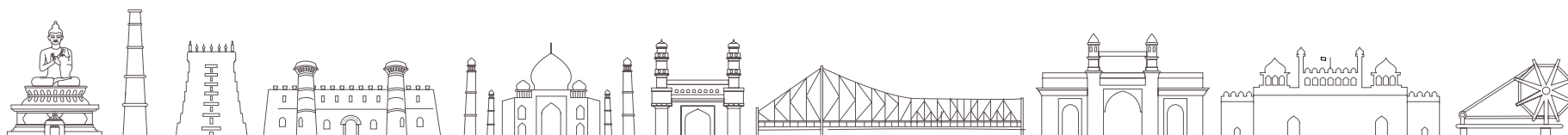
Odia	Odia Devanagari	Hindi	Odia Roman	English
ମୋତେ ଇଣ୍ଡୋର ଖେଳ ପସନ୍ଦ ଅଟେ ଏବଂ ତୁମକୁ?	मोते इण्डोर खेल पसन्द अटे एवं तुमकु?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और तुम्हें?	mote indoor khela pasanda ate ebam tumaku?	I like indoor games. What about you?
ହଁ, ମୋତେ ମଧ୍ୟା ମୁଁ ଟେବଲ ଟେନିସ ଖେଳିବି।	हँ, मोते मध्या मुँ टेबल टेनिस खेले।	मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलती/खेलता हूँ।	han, mote madhya. mun table tennis khele.	I too. I play table tennis.
ତୁମେ ଭିଡ଼ିଓ ଗେମ ଖେଳ କି?	तुमे भिडिओ गेम खेल कि?	तुम वीडियो गेम खेलती/खेलते हो?	tume video game khela ki?	Do you play video games?
ନା, ମୋତେ ଭିଡ଼ିଓ ଗେମ ଖେଳିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ ନାହିଁ। ମୋତେ ବାହାରେ ଖେଳିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ, ଯେମିତି କବାଡ଼ି।	ना, मोते भिडिओ गेम खेलिबाकु भल लागे नाहीं। मोते बाहारे खेलिबाकु भल लागे, जेमिति कबाडि।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है, जैसे कबड्डी।	naa, mote video game khelibaaku bhala laage naahin. mote baahaare khelibaaku bhala laage, jemiti kabaadi.	No, I don't like video games. I like to play outdoor games, like Kabaddi.



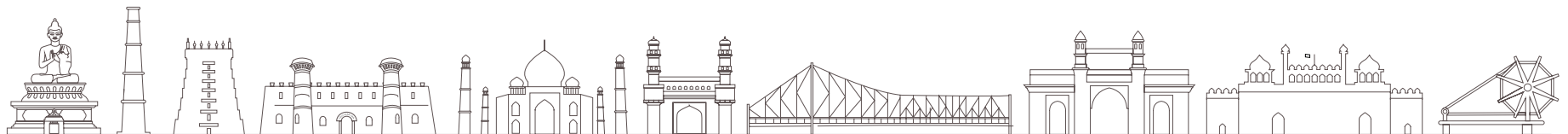
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ଅଷ୍ଟମ, ନବମ ଏବଂ ଦଶମ ଦିବସ ଆମ ଆଖ ପାଖରେ	अष्टम, नवम एवं दशम दिवस आम आख पाखरे	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	ashtama, nabama evam dashama dibasa aama aakha paakhare	Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings
ତୁମ ଆଖ ପାଖରେ କେଉଁ ନଦୀ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଛି?	तुम आख पाखरे केउं नदी प्रबाहित हेउछि?	तुम्हारे क्षेत्र में कौन-सी नदी बहती है?	tuma aakha paakhare keun nadee prabaahita heuchi?	Which river flows in your area?
ମୋ ଗାଁ ପାଖରେ ମହାନଦୀ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଛି।	मो गाँ पाखरे महानदी प्रबाहित हेउछि।	मेरे गाँव के पास महानदी बहती है।	mo gaan paakhare Mahanadi prabahita heuchi.	River Mahanadi flows through my village.
ନଦୀ କୂଳରେ ବହୁତ ବଗିଚା ଅଛି।	नदी कूळरे बहुत बगिचा अछि ।	नदी के किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	nadee koolare bahuta bagichaa achhi.	There are many gardens on the banks of the river.
ଆମ୍ଭେମାନେ ସେଠାକୁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉ।	आम्भेमाने सेठाकु बुलिबाकु जाउ।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	aambhemaane sethaaku bulibaaku jau.	We go there for a stroll.



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ତୁମେ କୁଆଡ଼େ ବୁଲିବାକୁ ଯାଅ?	तुमे कुआडे बुलिबाकु जाअ?	तुम कहाँ घूमने जाती/जाते हो?	tume kuaade bulibaaku jaaa?	Where do you go for a stroll?
ଆମେ ପାର୍କ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉ।	आमे पार्क बुलिबाकु जाउ।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	aame paark bulibaaku jaau.	We go to the park for a stroll.
ଆମ ନଗର ବାହାରେ ଏକ ପାହାଡ଼ ଅଛି।	आम नगर बाहारे एक पाहाड अछि।	हमारे नगर के बाहर एक पहाड़ है।	aama nagara baahaare eka paahaada achhi.	There is a mountain outside our town.
ଏହା ଏକ ଭ୍ରମଣୀୟ ସ୍ଥାନ ଅଟେ।	एहा एक भ्रमणीय स्थान अटे।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	ehaa eka bhramaneeya sthaana ate.	This is a nice place to move around.
ତୁମ ଗାଁରେ ଚାଷଜମି ଅଛି?	तुम गाँरे चाषजमि अछि?	तुम्हारे गाँव में खेत हैं?	tuma gaanre chaashajami achi?	Are there fields in your village?
ହଁ, ଆମ ଗାଁରେ ବହୁତ ଚାଷଜମି ଅଛି।	हँ, आम गाँरे बहुत चाषजमि अछि।	हाँ हमारे गाँव में बहुत खेत हैं।	han, aama gaanre bahuta chaashajami achi.	Yes, there are many fields in our village.



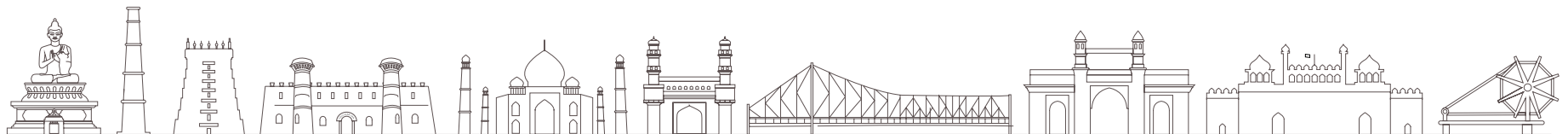
Odia	Odia Devanagari	Hindi	Odia Roman	English
ସେଠାରେ ଜଂଗଲ ମଧ୍ୟ ଅଛି।	सेठारे जंगल मध्य अछि।	वहाँ जंगल भी है।	sethaare jangala madhya achi.	There is also a jungle there.
ଜଂଗଲରେ ଝରଣା ଅଛି।	जंगलरे झरणा अछि।	उस जंगल में एक झरना है।	jangalare jharanaa achi.	There is a stream in the jungle.
ତୁମେ ଝରଣା ଦେଖୁଛ କି?	तुमे झरणा देखिछ कि?	तुमने झरना देखा है?	tume jharanaa dekhicha ki?	Have you seen a stream?
ନା, ମୁଁ ଦେଖିବାକୁ ଚାହୁଁଛି।	ना, मुँ देखिबाकु चाहूँछि।	नहीं, मैं देखना चाहूँगा।	naa, mun dekhibaaku chaahunchhi.	No, but I would like to see one.
ମୋ ଗାଁକୁ ଆସ, ମୁଁ ତୁମକୁ ଝରଣା ଦେଖାଇବି।	मो गाँकु आस, मुँ तुमकु झरणा देखाइबि।	मेरे गाँव आना, मैं तुम्हें झरना दिखाऊँगी/दिखाऊँगा।	mo gaanku aasa, mun tumaku jharanaa dekhaaibi.	Come to our village, I will show you the stream.
ଏକାଦଶ ଦିବସ ପାଣିପାଗ	एकादश दिवस पाणिपाग	ग्यारहवाँ दिन मौसम	ekadasha dibasa paanipaaga	Eleventh day Weather



Odia	Odia Devanagari	Hindi	Odia Roman	English
ଓହୋ, ଆଜି କେତେ ଗରମ ହେଉଛି। ଏବେ ବର୍ଷା ହେବା ଦରକାର।	ओहो, आज केते गरम हेउछि। एबे बर्षा हेबा दरकार।	उफ़ आज बहुत गर्मी हो रही है। अब बारिश होनी चाहिए।	oho, aaji kete garama heuchi. ebe barshaa hebaa darakaara.	Oh! It's too hot today. I wish it rains now.
ତୁମ ଅଂଚଳର ପାଣିପାଗ କେମିତି ରହେ?	तुम अंचलर पाणिपाग केमिति रहे?	तुम्हारे क्षेत्र में मौसम कैसा है?	tuma anchalara paanipaaga ketimi rahe?	How is the weather (like) in your area?
ଆମ ଅଂଚଳରେ ପାଣିପାଗ ସାଧାରଣତଃ ମଧ୍ୟମ ଅଥବା ଗରମ ରହେ।	आम अंचळरे पाणिपाग साधारणतः मध्यम अथवा गरम रहे।	हमारे क्षेत्र में मौसम ज्यादातर मध्यम या गरम रहता है।	aama anchalare paanipaaga saadhaaranatah madhyama athabaa garama rahe.	The weather there is moderate or hot generally?
କ'ଣ ତୁମେ ମରୁଭୂମି ଦେଖିଛ?	क'ण तुमे मरुभूमि देखिछ?	क्या तुमने रेगिस्तान देखा है?	ka'na tume marubhoomi dekhichha?	Have you seen a desert?
ନା, ମୁଁ ମରୁଭୂମି ଦେଖି ନାହିଁ।	ना, मुं मरुभूमि देखि नाहिं।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	naa, mun marubhoomi dekhinaahin.	No, I have not seen a desert.



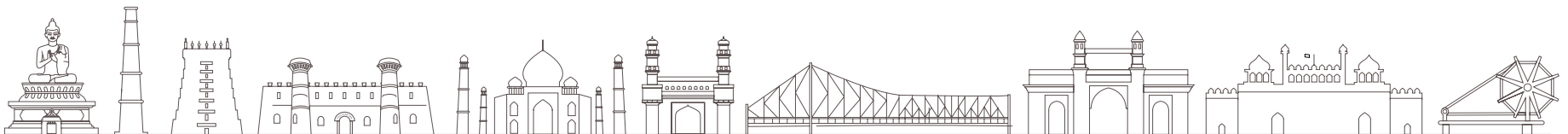
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ସେଠାରେ ତ ବହୁତ ଗରମ ହୁଏ।	सेठारे त बहुत गरम हुआ।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	sethaare ta bahuta garama hue.	It's very hot there.
ହଁ, କିନ୍ତୁ ରାତିରେ ବାଲି ଥଣ୍ଡା ହୋଇଯାଏ।	हँ, किन्तु रातिरे बालि थण्डा होइजाए।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडा हो जाता है।	han, kintu raatire baali thandaa hoijae.	Yes but the sand becomes cold at night.
ମୁଁ ମଧ୍ୟ ମରୁଭୂମି ଦେଖିବାକୁ ଚାହେଁ।	मुँ मध्य मरुभूमि देखिबाकु चाहौँ।	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती/चाहता हूँ।	mun madhya marubhoomi dekhibaaku chaahen.	I would like to see the desert.
ମୁଁ ପୂର୍ବ ଗ୍ରୀଷ୍ମଋତୁରେ ନିଜ ପରିବାର ସହ ପାହାଡ଼ ଦେଖିବାକୁ ଯାଇଥିଲି।	मुँ पूर्ब ग्रीष्मछुटिरे निज परिवार सह पाहाड देखिबाकु जाइथिलि।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों में घूमने गई/गया थी/था।	mun poorba greeshmachhutire nija paribaara saha paahaada dekhibaaku jaithili.	Last summer holidays I had visited the mountains with my family.
ସେଠାରେ ଶୀତଦିନେ ବହୁତ ବରଫ ପଡ଼େ।	सेठारे शीतदिने बहुत बरफ पडे।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ़ गिरती है।	sethaare sheetadine batuta barapha pade.	It snows a lot during winter.



Odia	Odia Devanagari	Hindi	Odia Roman	English
ଦ୍ଵାଦଶ, ତ୍ରୟୋଦଶ, ଚତୁର୍ଦ୍ଦଶ ଏବଂ ପଞ୍ଚଦଶ ଦିବସ ପର୍ବପର୍ବାଣି	द्वादश, त्रयोदश, चतुर्दश एवं पंचदश दिवस पर्वपर्वणि	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार	dvaadasha, trayodasha, chaturdasha evam panchadasha dibasa parbaparbaani	Twelfth, Thirteenth, Fourteenth and Fifteenth day Festival
ତୁମର ମନପସନ୍ଦ ପର୍ବ କ'ଣ?	तुमर मनपसन्द पर्व क'ण?	तुम्हारा पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	tumara manapasanda parba ka'na?	What is your favorite festival?
ମୋର ମନପସନ୍ଦ ପର୍ବ ଦଶହରା ଅଟେ।	मोर मनपसन्द पर्व दशहरा अटे।	मेरा पसंदीदा त्योहार दशहरा है।	mora manapasanda parba dashaharaa ate.	My favorite festival is Dashaharaa.
ଦଶହରା ମୋର ମଧ୍ୟ ମନପସନ୍ଦ ପର୍ବ ଅଟେ।	दशहरा मोर मध्य मनपसन्द पर्व अटे।	दशहरा मुझे भी बहुत पसंद है।	Dashaharaa mora madhya manapasanda parba ate.	I also like Dashaharaa very much.
କିନ୍ତୁ ମୋତେ ରଜପର୍ବ ବେଶୀ ଭଲ ଲାଗେ।	किन्तु मोते रजपर्व বেশী भल लागे।	लेकिन मुझे रजपर्व पसंद है।	kintu mote rajaparba besee bhala laage.	But I like Rajaparba more.



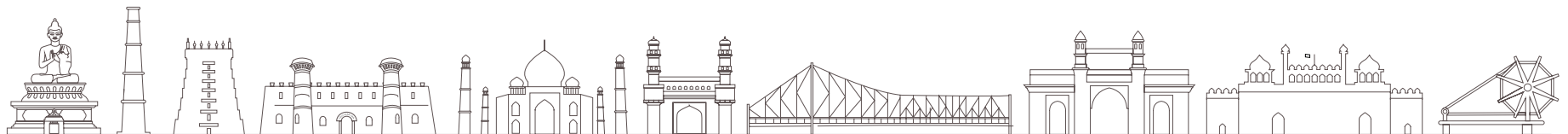
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ରଜପର୍ବରେ ଆମେ ବହୁତ ଦୋଳି ଖେଳୁ।	रजपर्बे आमे बहुत दोलि खेलु।	रजपर्ब में हम खूब झूला झूलते हैं।	rajaparbare aame bahuta dolee khelu.	We play swings a lot in Rajaparba.
ପର୍ବପର୍ବାଣିରେ ଆମେ ବହୁତ ପିଠାପଣା ଖାଉ।	पर्वपर्बाणिरे आमे बहुत पिठापणा खाउ।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	parbaparbaanire aame bahuta pithaapanaa khaau.	We eat a lot of sweets during festivals.
ହଁ, ରଜପର୍ବରେ ପୋଡ଼ପିଠା ଘରେ ଘରେ ତିଆରି ହୁଏ।	हँ, रजपर्बे पोडपिठा घरे घरे तिआरि हुए।	हाँ, रजपर्ब में घर-घर पर पोडपिठा बनाया जाता है।	han, rajaparbare podapithaa ghare ghare tiaari hue.	Yes, in every household, Podapithaa is being prepared.
ପର୍ବପର୍ବାଣିରେ ବୁଲିବା ପାଇଁ ଭଲ ଲାଗେ।	पर्वपर्बाणिरे बुलिबा पाईं भल लागे।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	parbaparbaanire bulibaa pain bhala laage.	I like to roam around in Fairs during festivals.
ହଁ, ମୋତେ ବି ବୁଲିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ।	हँ, मोते बि बुलिबाकु भल लागे।	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	han, mote bi bulibaku bhala laage.	Yes, I also like to move around.



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ତୁମ ସ୍କୁଲରେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ରତା ଦିବସ କିଭଳି ପାଳନ କରାଯାଏ?	तुम स्कूलरे स्वतन्त्रता दिवस किभलि पालन कराजाए?	तुम्हारे स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	tuma schoolre svatantrataa dibasa kibhali paalana karaajaae?	How is Independence Day celebrated in your school?
ଆମେ ପତାକା ଉତ୍ତୋଳନ କରୁ, ଜାତୀୟ ସଂଗୀତ ଗାନ କରୁ, ଆଉ ଲଡୁ ମଧ୍ୟ ଖାଉ।	आमे पाताका उत्तोलन करु, जातीय संगीत गान करु, आउ लडु मध्य खाउ।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	aame pataakaa uttolana karu, jaateeya sangeeta gaana karu, aau ladu madhya khaau.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
ଏହିଭଳି ଗଣତନ୍ତ୍ର ଦିବସ ବି ପାଳନ କରୁ।	एहिभळि गणतन्त्र दिवस बि पाळन करु।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	ehibhali ganatantra dibasa bi paalana karu.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
ଅକ୍ଟୋବର ଦୁଇ ତାରିଖ ଗାନ୍ଧୀ ଜୟନ୍ତୀର ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଦିବସ ପାଳନ କରୁ।	अक्टोबर दुइ तारिख गान्धी जयन्तीरे स्वच्छता दिवस पालन करु।	दो अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	aktobara dui taarikha gandhee jayanteere svachhataa dibasa paalana karu.	We observe Swachhta Diwas on birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2nd October.



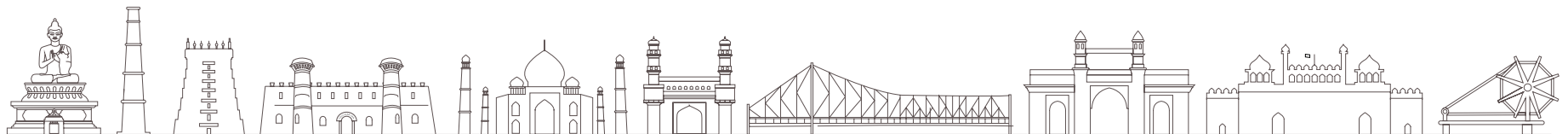
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଫେବୃଆରୀ ଏକୋଇସି ତାରିଖରେ ମାତୃଭାଷା ଦିବସ ମଧ୍ୟ ପାଳନ କରାଯାଏ।	विद्यालयरे फेब्रुआरी एकोइसि तारिखरे मातृभाषा दिवस मध्य पालन कराजाए।	स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो इक्कीस फरवरी को होता है।	bidyaalayare February ekoisi taarikhare maatrubhaashaa dibasa madhya paalana karaajaae.	Mother Tongue Day is also celebrated in school on 21st February every year.
ଷୋଡ଼ଶ ଏବଂ ସପ୍ତଦଶ ଦିବସ ପାରିବାରିକ ସମ୍ପର୍କ	षोडश एवं सप्तदश दिवस पारिवारिक सम्पर्क	सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते	shodasha ebam saptadasha dibasa paaribaarika samparka	Sixteenth & Seventeenth day Relations
ତୁମ ଘରେ କିଏ କିଏ ଅଛନ୍ତି?	तुम घरे किए किए अछन्ति?	तुम्हारे घर में कौन-कौन हैं।	tuma ghare kie kie achhanti?	Who all are there at your home?
ଆମ ଘରେ ବାପା, ମାଆ, ଜେଜେ ମାଆ, ଜେଜେ ବାପା, ଦାଦା, ଖୁଡ଼ୀ ଏବଂ ମୋର ଏକ ଭଉଣୀ ଅଛନ୍ତି।	आम घरे बापा, माआ, जेजे माआ, जेजे बापा, दादा, खुडी एवं मोर एक भउणी अछन्ति।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा- दादीजी, चाचा-चाची और हमारी एक बहन है।	aama ghare baapaa, maa, jeje maa, jeje baapaa, daadaa, khudee ebam mora eka bhaunee achanti.	My father, mother, grand father, grand mother, uncle, aunt and my sister are there in my home.



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ଆଛା, ତୁମେ କେବେ ତୁମ ମାମୁଁ ଘରକୁ ଯାଅ?	आछा, तुमे केबे तुम मामुं घरकु जाअ?	अच्छा तो क्या तुम कभी अपने मामा के घर जाते हो?	aachhaa, tume kebe tuma mamun gharaku jaa'a?	Good. Do you like to visit your maternal uncle's house?
ହଁ! ମୁଁ ଛୁଟିଦିନମାନଙ୍କରେ ମାମୁଁ ଘରକୁ ଯାଏ। ସେଠାରେ ମୋତେ ବହୁତ ଭଲ ଲାଗେ।	हँ, मुँ छुटिदिनमानंकरे मामुं घरकु जाए। सेठारे मोते बहुत भल लागे।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती/जाता हूँ। वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	han, mun chhutidinamaanankare maamun gharaku jaae. sethaare mote bahuta bhala laage.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.
ସେଠାରେ ମୋର ମାମୁଁ, ମାଉଁ, ମାଉସୀ ଏବଂ ଅଜା ଆଇ ରୁହନ୍ତି।	सेठारे मोर मामुं, माई, माउसी एवं अजा आई रहन्ति।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	sethaare mora mamun, maaain, mausee ebam ajaa aae ruhanti.	My maternal uncle-aunt, mother's sister, and grandparents live there.
ଆମ ଆଇ ଆମକୁ ବହୁତ ଗପ ଶୁଣାନ୍ତି।	आम आई आमकु बहुत गप श्रुणान्ति।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	aama aae aamaku bahuta gapa shunanti.	Our grandmother tells us a lot of stories.
କ'ଣ ତୁମେ ମଧ୍ୟ ତୁମ ମାମୁଁ ଘରକୁ ଯାଅ?	क'ण तुमे मध्य तुम मामुं घरकु जाअ?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाती/जाते हो?	Ka'na tume madhya tuma maamun gharaku jaaa?	Do you also visit your maternal uncle's house?



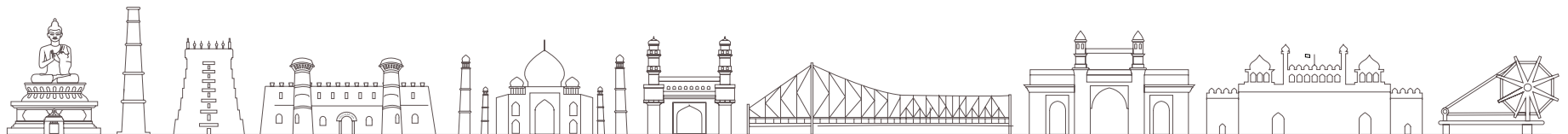
Odia	Odia Devanagari	Hindi	Odia Roman	English
ହଁ, ମୁଁ ନିଜ ମାମୁଁ ଏବଂ ପିଉସୀ ଉଭୟଙ୍କ ଘରକୁ ଯାଏ।	हँ, मुँ निज मामुँ एवं पिउसी उभयंक घरकु जाए।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाती/जाता हूँ।	Ha'n, mun nija mamun evam piusee ubhayanka gharaku jae.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house every year?
ମୋର ପିଉସୀଙ୍କ ଘରେ ଗୋଟେ କୁକୁର ଏବଂ ଗୋଟେ ବିଲେଇ ମଧ୍ୟ ଅଛି।	मोर पिउसींक घरे गोटे कुकुर एवं गोटे बिलेइ मध्य अछि।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	mora piuseenka ghare gote kukura evam gote bilei madhya achi.	My aunt has a dog and a cat in her house.
ଆମ ଘରେ ଗାଈ ଓ ବାଛୁରୀ ଅଛନ୍ତି।	आम घरे गाई ओ बाछुरी अछन्ति।	हमारे घर में गाय और बछड़े हैं।	aama ghare gaaee o bachuree achanti.	We have cows and calves in our house.
ଆମ ଗାଁରେ ମଇଁଷି ଏବଂ ଛେଳି ମଧ୍ୟ ଅଛି।	आम गाँरे मईषि एवं छेलि मध्य अछि।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	aama gaanre mainshi evam chheli madhya achi.	Goats and buffaloes also live in my village.
ଆମ ଘରେ ଗୋଟେ ଶୁଆ ଥିଲା। ଥରେ ସେ ଉଡ଼ିଗଲା ଏବଂ ମୋତେ ଭଲ ଲାଗିଲା।	आम घरे गोटे शुआ थिला। थरे से उडिगला एवं मोते भल लागिला।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	aama ghare gote shuaa thilaa. thare se udigalaa evam mote bhala laagilaa.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.



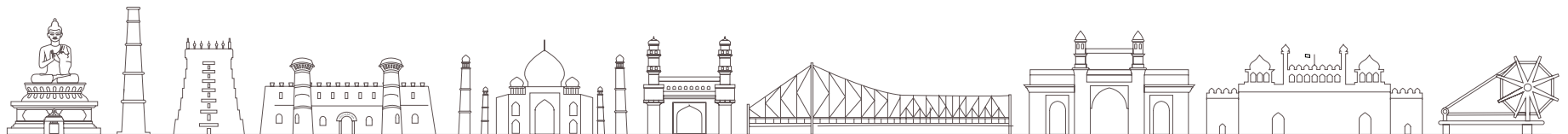
Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ଅଷ୍ଟାଦଶ ଏବଂ ନବଦଶ ଦିବସ ଯାତ୍ରା	अष्टादश एवं नवदश दिवस जात्रा	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	ashtadasha evam navadasha dibasa jaatraa	Eighteenth and Ninteenth day Travel
ତୁମ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଛୁଟିରେ କୁଆଡେ ବୁଲି ଯିବାକୁ ପସନ୍ଦ କର ?	तुम बिद्यालयर छुटिरे कुआडे बुलि जिबाकु पसन्द कर?	तुम स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करती/करते हो?	tuma bidyaalayara chhutire kuaade buli jibaaku pasanda kara?	Where do you like to visit during the holidays?
ମୋଟେ ଗ୍ରୀଷ୍ମଋତୁରେ ପାହାଡରେ ବୁଲିବାକୁ ଭଲ ଲାଗେ।	मोते ग्रीष्मछुटिरे पाहाडरे बुलिबाकु भल लागे।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	mote greeshmachhutire paahaadare bulibaaku bhala laage.	I like to visit mountains during summer holidays.
ଏହି ଛୁଟିରେ କୁଆଡେ ବୁଲିବାକୁ ଯିବ?	एहि छुटिरे कुआडे बुलिबाकु जिब?	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	ehi chhutire kuaade bulibaaku jiba?	Where are you planning to visit in this vacation?



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ମୁଁ ତ ଏହି ଛୁଟିରେ ସିକ୍କିମ କିଂବା କଶ୍ମୀର ବୁଲିବାକୁ ଯିବି।	मुँ त एहि छुटिरे सिक्किम किंबा कश्मीर बुलिबाकु जिवि।	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली/वाला हूँ।	mun ta ehi chhutire Sikkim kimbaa Kashmir bulibaaku jibi.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in these holidays.
ମୋର ତ ଇଚ୍ଛା ଅଛି ଶୀତଋତୁରେ ଗୋଆ କିଂବା ଆଣ୍ଡାମାନ ଯିବା ପାଇଁ।	मोर त इच्छा अछि शीतछुटिरे गोआ किंबा आण्डामान जिबा पाइँ।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	mora ta ichaa achi sheetachhutire Goa kimbaa Andaman jibaa pain.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
ଆରେ! ଆଣ୍ଡାମାନ ତ ସମୁଦ୍ର ମଝିରେ ଅଛି, ସେଠାକୁ କେମିତି ଯାଆନ୍ତି?	आरे! आण्डामान त समुद्र मझिरे अछि, सेठाकु केमिति जाआन्ति?	अरे! अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	aare! Andaman ta samudra majhire achi, sethaaku kemiti jaa'nti?	Andaman is in the Ocean, how do people go there?
ସେଠାକୁ ଉଡ଼ାଜାହାଜ କିଂବା ପାଣିଜାହାଜ ମାଧ୍ୟମରେ ଯାଇହେବ।	सेठाकु उडाजाहाज किंबा पाणिजाहाज माध्यमरे जाइहेबा।	वहाँ हवाई जहाज और पानी वाले जहाज दोनों से ही जा सकते हैं।	sethaaku udaajaahaaja kimbaa paanijaahaaja maadhyamare jaaiheba.	One can go there by an aeroplane or by a ship.
ବିଂଶତମ ଦିବସ ମୋର ସ୍ବପ୍ନ /ଲକ୍ଷ୍ୟ	विंशतम दिबस मोर स्वप्न/लख्य	बीसवाँ दिन मेरे सपने/लक्ष्य	vimshatama dibasa mora svapna/lakhya	Twentieth day My Dream/Aim



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ତୁମେ ଅଧ୍ୟୟନ ପରେ କ'ଣ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛ?	तुमे अध्ययन परे क'ण करिबाकु चाहुँछ?	तुम पढ़-लिखकर क्या करना चाहती/चाहते हो?	tume adhyayana pare ka'na karibaaku chaahuncha?	What do you want to do after studies?
ମୁଁ ଲେଖକା/ଲେଖକ ହେବାକୁ ଚାହୁଁଛି।	मुँ लेखिका/लेखक हेबाकु चाहुँछि।	मैं लेखिका/लेखक बनना चाहती/चाहता हूँ।	mun lekhikaa/lekhaka hebaaku chaahunchi.	I want to be a writer.
ମୁଁ ନିଜ ଘରୋଇ ବ୍ୟବସାୟରେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବି।	मुँ निज घरोइ ब्यबसायरे साहाज्य करिबि।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगी/करूंगा।	mun nija gharoi byabasaayare saahaajya karibi.	I want to support our family business.
ଯଥା, କେଉଁ ପ୍ରକାରର ବ୍ୟବସାୟ?	जथा, केउँ प्रकारर ब्यबसाय?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	jathaa, keun prakaarara byabasaaya?	Like what kind of business.
ଚାଷବାସ/ବାଡ଼ିବଗିଚା/ଦୋକାନ/ଲୁଗା ବ୍ୟବସାୟ।	चाषबास/बाडिबगिचा/ दोकान/ लुगा ब्यबसाय।	खेती-बाड़ी/ बागवानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	chsashabaasa/baadibagichaa/dokaana/lugaa byabasaaya.	Farming/gardening/shop/cloth business.



Odia	Odia Devanagri	Hindi	Odia Roman	English
ମୁଁ ରାଜନୀତି କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛି।	मुँ राजनीति करिबाकु चाहुँछि।	मैं राजनीति में जाना चाहती/ चाहता हूँ।	mun raajaneeti karibaaku chaahunchi.	I want to join politics.
ଏଭରେଷ୍ଟ ଚଢ଼ିବା ମୋର ସ୍ବପ୍ନ।	एभरेष्ट चढिबा मोर स्वप्न।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Everest chadhibaa mora svapna.	My dream is to climb the Mount Everest.
ମୁଁ ତ ସୈନିକ ହେବାକୁ ଚାହୁଁଛି।	मुँ त सैनिक हेबाकु चाहुँछि।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	mun ta sainika hebaaku chaahunchi.	I want to become a soldier.



Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: jdciet.ncert@nic.in
Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: del.ncert@gmail.com
Phone: 91-11-26565336



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016

Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159

Email: director.ncert@nic.in